चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	19.3.25	4	3-6

कार्यक्रम • एचएयू के दो दिवसीय कृषि मेले के समापन पर बोले लुवास वीसी प्रो. नरेश जिंदल

कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला मंगलवार को सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने कहा कि किसान फसल उगाने तक सीमित ना रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का विशेष महत्व है। उद्यमिता को बढ़ावा देने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने बताया कि उद्यमिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

एचएयू एवं लुवास के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों का लाभ किसानों तक शीघ्र पहुंचे, ताकि वे लाभांवित हो सकें। किसान राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में क्रियांवित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई नवीनतम किस्मों व कृषि पद्धतियों को जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे किसानों के फसल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 43.06 लाख रुपए के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 3 लाख 50 हजार रुपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें। बीज के अलावा किसानों ने 12580 रुपए के जैव उर्वरक तथा 45 हजार रुपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी के 372 नमूनों की जांच करवाई गई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही। इस प्रदर्शनी में कुल 258 स्टॉलें लगाई गईं।

एचएयू के कृषि मेला खरीफ में विजेताओं को पुरुस्कृत करते मुख्य अतिथि लुवास कुलपति प्रो. नरेश जिंदल।

उत्कृष्ट प्रदर्शन पर स्टॉलें सम्मानित

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक प्रथम, आईएफएसए सीड्स/समग सीड्स द्वितीय तथा अंकुर सीड्स/श्रीराम बायोसीड्स जेनेटिक्स तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्रथम, बायर क्रॉप सांइस द्वितीय व टैकोवेट फार्मा तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में यारा फर्टिलाइजर, इफको हिसार व डीसीएम श्रीराम फर्टिलाइजर क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर ग्रुप में करतार ट्रैक्टर्स रेनबो बाथ, गुरूकृपा मैकेनिकल वर्क्स व परम एग्रो इंडस्ट्रीज/डू सरदार एग्री वर्क्स क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कंबोज/एबिक बेकरी, देसी बीज बैंक बढवासनी तथा रंजीत व जगत कक्कड़ क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, कोम्युनिटी साइंस तथा एग्री टूरिजम/एबिक स्टार्टअप को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में लुवास पहले व एमएचयू दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में ऑर्गेनिक हरियाली, श्री कृष्ण गोशाला काबरेल/ बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज तथा हिसार जींद कोपरेटिव मिल्क प्रोडक्टस पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	19.3.25	4	1-4

किसान फसल उगाने तक सीमित ना रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं: प्रो. नरेश जिंदल

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए।

हकृवि के दो दिवसीय कृषि मेला का समापन

हिसार, 18 मार्च (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। दो दिवसीय मेले में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के करीब 83000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल ने कहा कि किसान फसल उगाने तक सीमित ना रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का विशेष महत्व है। उद्यमिता को बढ़ावा देने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने बताया कि उद्यमिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा

देने में मदद मिलेगी। इससे पोषण सुरक्षा, स्वास्थ्य, समग्र खाद्य सुरक्षा, सकल घरेलू उत्पाद में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि एचएयू एवं लुवास के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों का लाभ किसानों तक शीघ्र पहुंचे ताकि वे लाभांवित हो सके। किसान राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में क्रियांवित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई नवीनतम किस्मों व कृषि पद्धतियों को जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे किसानों के फसल उत्पादन में बढ़ौतरी होगी।

उन्होंने कहा कि हकृवि द्वारा इजाद की गई नई किस्में अधिक पैदावार देने वाली व गुणवत्तापूर्ण है जिसके कारण इनके उन्नत बीजों की हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी मांग है। कृषि क्षेत्र के समक्ष आ रही चुनौतियों जैसे भूमि की लवणता, भूमि की उर्वरा शक्ति में कमी आना, भूजल स्तर का गिरना, क्षारीयता व जल भराव की स्थिति, जलवायु परिवर्तन तथा फसल उत्पादन में कीटनाशक एवं रासायनिक उर्वरकों का सिफारिश से अधिक प्रयोग शामिल हैं।

मेले में 43 लाख रुपए के बिके खरीफ फसलों के बीज

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 43.06 लाख रुपए के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 3 लाख 50 हजार रुपए के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें। बीज के अलावा किसानों ने 12580 रुपए के जैव उर्वरक तथा 45 हज़ार रुपए का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 372 नमूनों की जांच करवाई गई।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, कोम्युनिटी साइंस तथा एग्री टूरिजम/एबिक स्टार्टअप को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में लुवास पहले व एमएचयू दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में ऑर्गेनिक हरियाली, श्री कृष्ण गोशाला काबरेल/ बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज तथा हिसार जींद कोपरेटिव मिल्क प्रोडक्टस पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	19.3.25	4	2-8

हरियाणा कृषि विवि के बीजों की अन्य प्रांतों में भी मांग : प्रो. जिंदल

कृषि मेले का समापन, 86 हजार किसानों ने लिया भाग

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। दो दिवसीय मेले में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के करीब 83000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर स्टाल प्रतिनिधियों को सम्मानित करते वीसी नरेश जिंदल • पीआरओ

कृषि मेले में आधुनिक कृषि यंत्र देखते किसान • जागरण

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल ने कहा कि किसान फसल उगाने तक सीमित न रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का विशेष महत्व है। उद्यमिता को बढ़ावा देने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने बताया कि उद्यमिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इससे पोषण सुरक्षा, स्वास्थ्य, समग्र खाद्य सुरक्षा, सकल घरेलू उत्पाद में भी सुधार होगा। उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई नवीनतम किस्मों व कृषि पद्धतियों को जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। इससे किसानों के फसल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। विस्तार शिक्षा निदेशक डा. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 43.06 लाख रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 3 लाख 50 हजार रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। बीज के अलावा किसानों ने 12580 रुपये के जैव उर्वरक तथा 45 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 372 नमूनों की जांच करवाई। संयुक्त निदेशक विस्तार डा. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में कृषि औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का केन्द्र रही।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली स्टालें सम्मानित

स्टालों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक प्रथम, आइएफएसए सीड्स/समग सीड्स द्वितीय तथा अंकुर सीड्स/श्रीराम बायोसीड्स जेनेटिक्स तृतीय स्थान पर रहे। इनसेक्टिसाइड्स व पेस्टीसाइड्स ग्रुप में क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन प्रथम, बायर क्राप साइंस द्वितीय व टैफोलेट फार्मा तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में यारा फर्टिलाइजर, इफको हिसार व डीसीएम श्रीराम फर्टिलाइजर क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर ग्रुप में करतार ट्रैक्टरस/रैनबी बाथ, गुरुकृपा मिकेनिकल वर्क्स व परम एग्रो इंडस्ट्रीज/द्रु सरदार एग्रो वर्क्स क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कम्बोज/एबिक बेकरी, देसी बीज बैंक बड़ागामी तथा रंजीत व जगत कक्कड़ क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, कॉम्युनिटी साइंस तथा एग्री टूरिज्म/एबिक स्टार्टअप को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में लुवास पहले व एसएचयू दूसरे स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	19.3.25	10	2-6

हकृवि के कृषि मेले का समापन, किसानों ने खरीदे लाखों के बीज व जैव उर्वरक

राजस्थान, पंजाब, हिमाचल सहित कई राज्यों से कृषि मेले में पहुंचे 83000 से अधिक किसान

हकृवि के उन्नत बीजों की हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी मांग: प्रो. जिंदल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। दो दिवसीय मेले में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के करीब 83000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल ने कहा कि किसान फसल उगाने तक सीमित न रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का विशेष महत्व है। उद्यमिता को बढ़ावा देने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने कहा कि एचएयू एवं लुवास के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों का लाभ किसानों तक शीघ्र पहुंचे ताकि वे लाभांवित हो सके। उन्होंने कहा कि हकृवि द्वारा इजाद की गई नई किस्में अधिक पैदावार देने वाली व गुणवत्तापूर्ण है जिसके कारण इनके उन्नत बीजों की हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी मांग है।

हिसार। प्रथम स्थान पाने पर एबिक बेकरी स्टॉल के प्रतिनिधि राजेंद्र कुमार को सम्मानित करते लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल।

हिसार। कृषि मेले का भ्रमण करने पहुंचे विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

मेले में 43 लाख के बिके खरीफ फसलों के बीज

विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 43.06 लाख रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 3 लाख 50 हजार रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें। बीज के अलावा किसानों ने 12580 रुपये के जैव उर्वरक तथा 45 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। कृषि मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 372 नमूनों की जांच करवाई गई। संयुक्त निदेशक विस्तार डॉ. कृष्ण कुमार यादव ने बताया कि मेले में लगाई गई कृषि-औद्योगिक प्रदर्शनी किसानों के आकर्षण का विशेष केन्द्र रही।

वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों ने किया हकृवि के कृषि मेले का भ्रमण

हिसार। दयानन्द महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित कृषि मेले का भ्रमण किया। कृषि मेले में शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. रेनू राठी ने विद्यार्थियों के लिए एक्सपीरिएंशल लर्निंग के तहत करवाया। उन्होंने बताया की वाणिज्य विभाग समय-समय पर विद्यार्थियों के लिये ऐसे शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन करवाता रहता है। इससे विद्यार्थियों को रोजगार के नए अवसरों के बारे में जानने का मौका मिला। विद्यार्थियों ने डॉ अजय, मानसी व स्मृति के नेतृत्व में कृषि मेले में विभिन्न प्रकार के रूरल मार्केटिंग व एंटरप्रेन्योरशिप के तकनीकी गुणों को सीखा।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तितर्धक प्रथम, आईएफएसए सीड्स/समग सीड्स द्वितीय तथा अंकुर सीड्स/श्रीराम बायोसीड्स जेनेटिक्स तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्रथम, बायर क्रॉप साइंस द्वितीय व टैकोवेट फार्मा तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में यारा फर्टिलाइजर, इफको हिसार व डीसीएम श्रीराम फर्टिलाइजर क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रेक्टर ग्रुप में करतार ट्रेक्टरस/रेनबो बाथ, गुरुकृपा मैकेनिकल वर्कस व परम एग्रो इंडस्ट्रीज/डू सरदार एग्री वर्कस क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कबोज/एबिक बेकरी, देसी बीज बैंक बढवासनी तथा रंजीत व जगत कक्कड़ क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, कोम्युनिटी साइंस तथा एग्री टूरिजम/एबिक स्टार्टअप को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	19.3.25	4	1-8

जैविक खेती-पराली प्रबंधन को अपनाकर आय व पैदावार को बढ़ाया

जींद की किसान सुमित्रा और पिल्लूखेड़ा के विनोद ने कृषि में नवाचार से पेश की किसानों के लिए मिसाल

संवाद न्यूज एजेंसी

हिसार। कृषि में नवाचार अपनाकर न केवल पैदावार व आय को बढ़ाया बल्कि औरों को रोजगार देकर स्वावलंबी बन रहे किसान सुमित्रा और विनोद अन्य किसानों के लिए मिसाल बने हुए हैं। एचएयू में आयोजित कृषि मेले में विनोद को पराली प्रबंधन, डीएसआर तकनीक अपनाने व सुमित्रा को प्राकृतिक खेती के लिए प्रगतिशील किसान सम्मान से नवाजा।

विनोद को सम्मानित करते कुलपति कांबोज। संवाद

जींद निवासी विनोद ने बताया कि उनके गांव पिल्लूखेड़ा में चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी के कृषि विज्ञान केंद्र पांडु पिंडारा से विशेषज्ञ डॉ. रामकरण (कोऑर्डिनेटर), धीरज, डॉ. रवि, डॉ. प्रीति मलिक और डॉ. पवन किसानों को पराली प्रबंधन और फसलों की देखभाल के बारे में जागरूक करने आते थे। उनसे प्रेरित होकर पराली प्रबंधन करना शुरू कर दिया। शुरुआत में हैप्पी सीडर तकनीक का इस्तेमाल किया। इस तकनीक से पराली को खेत में मिलाने से मिट्टी की उपजाऊ क्षमता बढ़ती है और फसलों की पैदावार में वृद्धि होती है।

जैविक खेती के साथ ही मसालों को पीस बेच रहीं

जींद जिले के गांव अहीरका की सुमित्रा ने बताया कि उसने पति के साथ मिलकर जैविक खेती शुरू की, लेकिन शुरुआत में फसल की बिक्री में दिक्कत आने लगी। इसके बाद आंवला व नींबू का आचार लगाया। इससे ठीक-ठाक आमदनी होने लगी। कोरोना काल में हल्दी की खेती शुरू की। जो हल्दी बच जाती उसे पीसकर बेचने लगी। मांग बढ़ने लगी तो दूसरे मसाले, सब्जियां व फल बेचने लगी। इससे सालाना 8 लाख रुपये तक आय हो रही है। हल्दी के अलावा आलू, गोभी, मटर, धनिया, लोबिया, भिंडी, गाजर और मूली की खेती भी शुरू कर दी। आसपास के लोग खेत से ताजा सब्जियां खरीदने लगे हैं, जिससे आय भी बढ़ने लगी है। दालों और सरसों तेल की पैकिंग करके भी बेचना शुरू किया है। चार एकड़ जमीन से लगभग 8 लाख रुपये की सालाना आय हो जाती है। खेत, घर और पैकिंग के काम के लिए 3-4 महिलाओं और युवकों को रोजगार भी दिया हुआ है। अब हल्दी, कचरी, अदरक जैसी औषधीय और मसाले वाली फसलें भी लगाई हैं। इनसे अचार और अन्य खाद्य उत्पाद बनाने की योजना है।

उत्पाद की पैकिंग करती सुमित्रा।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेले में मंगलवार को उमड़ी किसानों की भीड़। संवाद

मेले में पहुंचे 83 हजार किसान, 43 लाख के बीज, 3 लाख के पौधे खरीदे

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेले में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के करीब 83,000 किसानों ने भाग लिया। समापन मौके पर लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 43.06 लाख रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज और करीब 3.50 लाख रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदे। बीज के अलावा किसानों ने 12,580 रुपये के जैव उर्वरक व 43 हजार रुपये का कृषि साहित्य भी खरीदा। ब्यूरो

कृषि मेले में स्टॉल पर जानकारी लेते किसान। संवाद

किसानों ने ली फसलों व नई तकनीक की जानकारी

एचएयू में लगे मेले में हाईब्रीड बीजों की जानकारी देते कंपनी के कर्मचारी। संवाद

हिसार। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय में चल रहे कृषि मेले में मंगलवार को किसानों ने फसलों-सब्जियों के बीजों की खरीदारी और कृषि की नई तकनीकों के बारे में जानकारी ली। सरसों व बाजरे की उन्नत किस्मों की जानकारी ले इनके बीज खरीदे।

बाजरे की एचएचबी 67 किस्म के प्रति किसानों का रुझान दिखा। इसे कम पानी वाले खेत में भी लगाया जा सकता है। हाईब्रीड बीज बेच रहे सुनील कुमार ने बताया कि इनमें साधारण बीजों की तुलना में रोग बहुत कम लगते हैं और पैदावार भी ज्यादा देते हैं। टमाटर के हाईब्रीड बीज वाला पौधा साइज में छोटा होता है और 35-40 दिन में ही फूल आने लगते हैं। एक एकड़ में करीब 150 ग्राम बीज की खपत होती है। जबकि एक एकड़ से किसान डेढ़ लाख रुपये की आमदनी कर सकता है।

पशुओं के लिए साल भर चलने वाली घास : इंफिनिटी घास पशुओं के लिए साल भर चलने वाला चारा है। इस किस्म को किसान कम पानी वाले खेत में लगाकर साल भर पशुओं के लिए प्रयोग में ला सकते हैं। एक एकड़ में 4-5 किलो बीज लगता है और इसकी कटाई के बीच 30 से 45 दिन का अंतर रखना होता है। कंपनी के डीआरएम अनुज कुमार ने बताया कि ये घास लगाने के बाद किसान 8 से 10 बार कटाई कर सकते हैं। एक किलो बीज की कीमत 600 रुपये है। संवाद

बाजरे की उन्नत किस्में

- **एचएचबी 67 (संशोधित 2) :** यह किस्म एचएयू की ओर से तैयार की गई है। इसमें बायोटेक्नोलॉजी विधि द्वारा जोगिया रोधिता जीन डाले गए हैं। इसमें जोगिया बीमारी नहीं लगती और सिट्टों पर छोटे-छोटे बाल भी होते हैं। इसके दानों व सूखे चारे की औसत पैदावार 31 मन व 80 मन प्रति एकड़ है। यह किस्म 65-70 दिन में पककर तैयार हो जाती है। वैज्ञानिक विधि द्वारा खेती करने पर यह 37.5 मन प्रति एकड़ तक पैदावार दे सकती है।
- **एचएचबी 197 :** इस किस्म में बाजरे के सिट्टों पर लंबे बाल होते हैं जोकि फसल को पक्षियों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। यह किस्म अच्छी फुटाव वाली होने के साथ-साथ जोगिया व कांगियारी रोगरोधी भी है। इसके दानों व सूखे चारे की औसत उपज 35 से 115 मन प्रति एकड़ है। यह किस्म 68-72 दिन में पककर तैयार हो जाती है।

स्टॉल पर लगे बाजरे के सिट्टे। संवाद

- **एचएचबी 299 व एचएचबी 311 :** ये दोनों किस्में अधिक लौह युक्त (73-83 पीपीएम) हैं। इनके सिट्टे मध्यम लंबाई के होते हैं। एचएचबी 299 के दानों व सूखे चारे की औसत उपज 39.5 व 100-105 मन प्रति एकड़ है। इसकी फसल 80-82 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। एचएचबी 311 के दानों व सूखे चारे की औसत उपज 37.5 मन व 99-100 मन प्रति एकड़ है। 75-80 दिनों में फसल पककर तैयार हो जाती है।

सरसों की उन्नत किस्में

- **आरएच 725 :** इस किस्म की सिफारिश वर्ष 2018 में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों के बारानी क्षेत्रों में बिजाई के लिए की गई है। इस किस्म में फलियां लंबी व मोटी होती हैं और दानों का आकार भी बड़ा होता है। इस किस्म की फसल 136-143 दिन में पककर तैयार हो जाती है और 10-11 क्विंटल प्रति एकड़ औसत पैदावार होती है। इस किस्म में तेल की मात्रा 40 प्रतिशत है और यह उच्च तापमान के प्रति अवरोधी है।
- **आरएच 1424 :** इस किस्म की सिफारिश वर्ष 2022 में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली एवं राजस्थान के कुछ हिस्सों के बारानी क्षेत्रों में समय पर बिजाई के लिए की गई। यह 137-140 दिनों में पककर 10.4 से 10.8 क्विंटल प्रति एकड़ औसत पैदावार देती है। इस किस्म की फलियां लंबी व दानों का आकार मोटा होता है।

स्टॉल पर रखी सरसों की फसल। संवाद

इसमें लगभग 40.5 प्रतिशत तेल होता है।

- **आरएच 1975 :** इस किस्म की सिफारिश वर्ष 2024 में हरियाणा, पंजाब, दिल्ली एवं राजस्थान में बिजाई के लिए की गई थी। यह 142-145 दिनों में पककर 10.6 से 11.6 क्विंटल प्रति एकड़ औसत पैदावार देती है। इस किस्म में फलियां लंबी व दानों का आकार मोटा होता है। इसमें लगभग 39.5 प्रतिशत तेल होता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	19.3.25	5	4-6

हकृवि के उन्नत बीजों की हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी मांग : प्रो. नरेश जिंदल

हिसार, 18 मार्च (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। दो दिवसीय मेले में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के करीब 83000 से अधिक किसानों ने भाग लिया। लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल ने कहा कि किसान फसल उगाने तक सीमित ना रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का विशेष महत्व है। उद्यमिता को बढ़ावा देने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने बताया कि उद्यमिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इससे पोषण सुरक्षा, स्वास्थ्य, समग्र खाद्य सुरक्षा, सकल घरेलू उत्पाद में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि एचएयू एवं लुवास के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यो का लाभ किसानों तक शीघ्र पहुंचे ताकि वे लाभांवित हो सके। किसान राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में क्रियांवित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आएं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बताया कि मेले में किसानों ने करीब 43.06 लाख रुपये के खरीफ फसलों व सब्जियों की उन्नत व सिफारिशशुदा किस्मों के प्रमाणित बीज तथा करीब 3 लाख 50 हजार रुपये के फलदार पौधे व सब्जियों के बीज खरीदें। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कंबोज/एबिक बेकरी, देसी बीज बैंक बढवासनी तथा रंजीत व जगत कक्कड़ क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। इसी प्रकार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, कोम्युनिटी साइंस तथा एग्री टूरिजम/एबिक स्टार्टअप को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में लुवास पहले व एमएचयू दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में ऑर्गेनिक हरियाली, श्री कृष्ण गोशाला काबरेल/ बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज तथा हिसार जींद कोपरेटिव मिल्क प्रोडक्टस पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	18.03.25	--	--

हकृवि में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का समापन

हकृवि के उन्नत बीजों की हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी मांग: कुलपति प्रो. नरेश जिंदल

सिटीप्लस न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय कृषि मेला सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल मुख्य अतिथि रहे। दो दिवसीय मेले में हरियाणा, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों के करीब 83000 से अधिक किसानों ने भाग लिया।

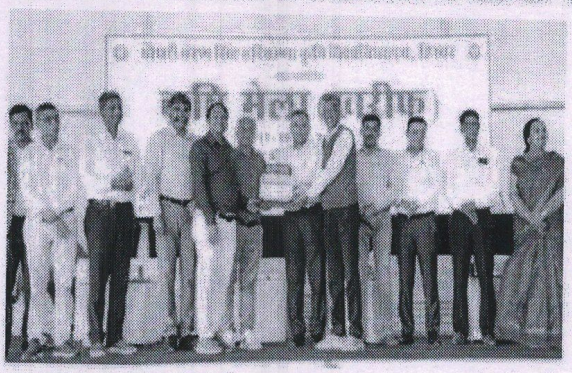

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों के प्रतिनिधियों को सम्मानित करते हुए।

लुवास के कुलपति प्रो. नरेश जिंदल ने कहा कि किसान फसल उगाने तक सीमित ना रहकर कृषि को व्यवसाय के रूप में अपनाएं। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में उद्यमिता का विशेष महत्व है। उद्यमिता को बढ़ावा देने से आर्थिक विकास को गति मिलेगी और इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के नए द्वार खुलेंगे। उन्होंने बताया कि उद्यमिता के माध्यम से किसानों को सशक्त बनाने तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी। इससे पोषण सुरक्षा, स्वास्थ्य, समग्र खाद्य सुरक्षा, सकल घरेलू उत्पाद में भी सुधार होगा। उन्होंने कहा कि एचएयू एवं लुवास के वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों का लाभ किसानों तक शीघ्र पहुंचे ताकि वे लाभांवित हो सके। किसान राज्य सरकार द्वारा कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में क्रियांवित की जा रही योजनाओं का लाभ उठाने के लिए आगे आएं।

उन्होंने बताया कि मेले के माध्यम से विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई नवीनतम किस्मों व कृषि पद्धतियों को जल्दी से जल्दी किसानों तक पहुचान म मदद मिलेगी। इससे किसानों के फसल उत्पादन में बढ़ोतरी होगी। उन्होंने कहा कि हकृवि द्वारा इजाद की गई नई किस्म अधिक पैदावार देने वाली व गुणवत्तापूर्ण है जिसके कारण इनके उन्नत बीजों की हरियाणा सहित अन्य राज्यों में भी मांग है।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्टॉलों को किया गया सम्मानित :

स्टॉलों में से सीड ग्रुप में शक्तिवर्धक प्रथम, आईएफएसए सीड्स/समग्र सीड्स द्वितीय तथा अंकुर सीड्स/श्रीराम बायोसीड्स जेनेटिक्स तृतीय स्थान पर रहे। इन्सेक्टिसाइडस व पेस्टीसाइडस ग्रुप में क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन प्रथम, बायर क्रॉप साइंस द्वितीय व टैकोवेट फार्मा तृतीय स्थान पर रहे। फर्टिलाइजर ग्रुप में यारा फर्टिलाइजर, इफको हिसार व डीसीएम श्रीराम फर्टिलाइजर क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। मशीनरी व ट्रैक्टर ग्रुप में करतार ट्रैक्टरस/रेनबो बाथ, गुरूकृपा मैकेनिकल वर्कस व परम एग्रो इंडस्ट्रीज/डू सरदार एग्री वर्कस क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान पर रहे। प्रगतिशील किसान समूह में सुभाष कम्बोज/एबिक बेकरी, देसी बीज बैंक बढ़वासनी तथा रंजीत व जगत कक्कड़ क्रमशः पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के जेनेटिक्स एंड प्लांट ब्रीडिंग विभाग, कोम्युनिटी साइंस तथा एग्री टूरिज्म/एबिक स्टार्टअप को क्रमशः प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार मिले। सरकारी विभाग कैटेगरी में लुवास पहले व एमएचयू दूसरे स्थान पर रहे। विविध ग्रुप में ऑर्गेनिक हरियाली, श्री कृष्ण गोशाला काबरेल/ बालाजी एग्रो इंडस्ट्रीज तथा हिसार जीट कोपरेटिव मिल्क प्रोडक्टस पहले, दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष	18.03.25	--	--

कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं: प्रो. बी.आर. काम्बोज

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ

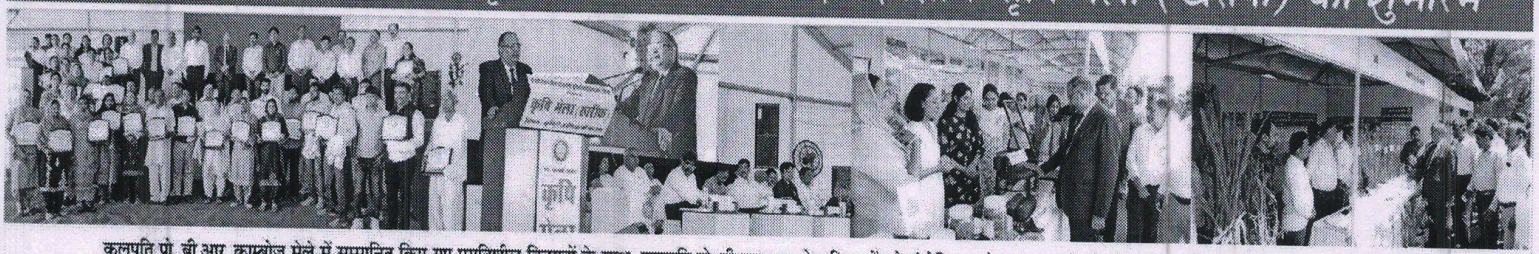

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज मेले में सम्मानित किए गए प्रगतिशील किसानों के साथ, कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज किसानों को संबोधित करते हुए, कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

-पाठकपक्ष न्यूज-

हिसार, 18 मार्च : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में दो दिवसीय कृषि मेला (खरीफ) का शुभारंभ हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बतौर मुख्य अतिथि मेले का उद्घाटन किया। इस वर्ष मेले का थीम 'कृषि में उद्यमिता को बढ़ावा' रखा गया है।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने कहा कि कृषि उद्यमिता, कृषि क्षेत्र में नया व्यवसाय शुरू करने की एक प्रक्रिया है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में कृषि उद्यमिता कारगर सिद्ध हो सकती है। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में युवाओं के लिए उद्यमिता की अपार संभावनाएं हैं। किसान खेतीबाड़ी के साथ-साथ कृषि उद्यमिता को अपनाकर अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर सकते हैं। कृषि क्षेत्र में मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन, वर्मी कम्पोस्टिंग, सब्जी उत्पादन, बागवानी, चारा उत्पादन, साइलेज मेकिंग, नर्सरी, बीज उत्पादन, मछली पालन एवं बेकरी में हकृवि से प्रशिक्षण लेकर युवा किसान स्वरोजगार स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने अधिक मुनाफा कमाने के लिए किसानों से उन्नत खेती के तरीके अपनाने के साथ-साथ उत्पाद का प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन करने के अलावा सर्विसिंग, पैकजिंग व ब्रांडिंग पर भी ध्यान देने का आह्वान किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री-बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों, उद्यमियों, किसानों तथा महिलाओं को कृषि संबंधी नए आइडिया पर स्टार्टअप के लिए 4 से 25 लाख रुपए तक की अनुदान राशि प्रदान करता है। हकृवि के एबिक द्वारा अब तक 250 इंक्यूबेटस को प्रशिक्षण व सहयोग दिया जा चुका है। इसके तहत 65 बेस्ट इंक्यूबेटस को स्टार्टअप करने के लिए 8 करोड़ रुपये से अधिक की ग्रांट दे चुका है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर का मकसद युवाओं को उद्यमिता की तरफ आकर्षित करना है। उन्होंने बताया कि इस सेंटर के माध्यम से प्रशिक्षण एवं अनुदान प्राप्त करके युवाओं ने ना केवल स्वयं का रोजगार स्थापित किया है बल्कि अनेक बेरोजगारों को रोजगार भी उपलब्ध करवाया है।

किसानों को कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी करने एवं कृषि लागत में कमी लाने के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों का उपयोग करना चाहिए। किसान उन्नत किस्म के बीज, सूक्ष्म सिंचाई तथा नवीनतम कृषि उपकरणों का प्रयोग करके अपने उत्पादन में इजाफा कर सकते हैं। मृदा स्वास्थ्य सुधार के लिए मिट्टी की जांच पर आधारित पोषक तत्व डालना व ढैंचा की फसल को हरी खाद के रूप में लगाना तथा मृदा में जैविक खाद का इस्तेमाल व सिफारिश किए गए फसल चक्र को अपनाना जरूरी है। मुख्यातिथि ने कृषि मेला में महिलाओं की अधिक भागीदारी पर खुशी जताई। साथ ही कहा कि वर्तमान समय में कृषि क्षेत्र के अंदर महिलाओं की भूमिका दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। विश्वविद्यालय ने शिक्षा, शोध, विस्तार सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं।

उद्यमी किसानों की स्टाल बनी आकर्षण का केन्द्र, कुलपति ने किया अवलोकन

किसानों को नवीनतम तकनीकों, उन्नत किस्म के बीजों एवं कृषि उपकरणों की जानकारी देने एवं खरीद करने के लिए सरकारी एवं निजी क्षेत्र की कम्पनियों द्वारा 258 स्टालें लगाई गई। मेले में उद्यमी किसानों द्वारा भी 23 स्टालें लगाई गई। कुलपति ने विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों द्वारा लगाई गई स्टालों एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों की स्टालों का अवलोकन किया। इसके अलावा उन्होंने तीन पुस्तकों का विमोचन करते हुए संबंधित विभागों के वैज्ञानिकों को बधाई दी। इस प्रदर्शनी में कृषि क्षेत्र से जुड़ी समस्याओं के हल के लिए कृषक-वैज्ञानिक संवाद कार्यक्रम भी रखा गया, जिसमें कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों ने फसलों से संबंधित समस्याओं के हल विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों से जाने।

पहले दिन लगभग 46 हजार किसानों ने की शिरकत, 35 लाख के बीज व अन्य उत्पाद बिके

कार्यक्रम के दौरान मुख्यातिथि ने कृषि एवं अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया। कृषि मेला खरीफ में पहले दिन हरियाणा व अन्य राज्यों से 46 हजार किसानों ने भाग लिया। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने मेले में आए हुए सभी किसानों का स्वागत किया अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने मेले में आए हुए सभी का धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया। मंच का संचालन डॉ. भूपेन्द्र ने किया।

कुलपति ने नए उन्नत बीजों, कृषि विधियों, सिंचाई यंत्रों, कृषि मशीनरी आदि की जानकारी हासिल की। मेले में आगामी खरीफ फसलों के बीजों के लिए किसानों में भारी उत्साह देखा गया जहां किसानों ने खरीफ फसलों की उन्नत किस्मों के लगभग 31 लाख 26 हजार के बीज खरीदे। मेले में 25 हजार रूपए के कृषि साहित्य की बिक्री हुई। सब्जी व बागवानी फसलों के बीजों की 2 लाख 67 हजार रूपए की बिक्री हुई। मेले में 52 हजार 800 रूपए के टिशु कल्चर के पौधे बिके। किसानों ने मेले में मिट्टी व पानी जांच सेवा का लाभ उठाते हुए मिट्टी व पानी के 200 नमूनों की जांच करवाई। मेले में लगभग 10 हजार रूपए के जैव उर्वरक की बिक्री हुई। किसानों ने विश्वविद्यालय के अनुसंधान फार्म पर वैज्ञानिकों द्वारा उगाई गई फसलें भी देखीं तथा उनमें प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी के साथ-साथ जैविक खेती बारे जानकारी हासिल की।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जमर उजाला	19.03.25	1	3-5

प्रवीण सोनी

मैं किसी के लागूं सूं...

एचएयू में आयोजित कृषि मेले में मंगलवार को किसानों के साथ बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं भी पहुंचीं। मेला परिसर में लगे किसान के कटआउट के साथ फोटो खिंचवातीं युवतियां। संवाद